मंगलवार
21 नवम्बर 2023

पृष्ठ 4

आपका तकिया ही बनता है पिंपल होने का कारण ?

पृष्ठ 5

मैं बॉलीवुड में काम करना चाहती हूं : रश्मि देसाई

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 279
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

रंग इसलिए हैं कि जीवन की एकरसता दूर हो सके और इसलिए भी कि हम सादगी का मूल्य पहचान सकें।

— मुक्ता

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

अपनों को सुरक्षित देख परिजनों को मिली राहत

❑पहली बार सुरंग में फंसे लोगों की तस्वीर आई बाहर

❑सभी विकल्पों पर तेजी से हो रहा है काम
❑उड़ीसा व गुजरात से पहुंची पाइलिंग मशीनें

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी। सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों के परिजनों और रेस्क्यू टीमों के लिए आज मंगलवार के दिन आई मंगल खबर से सभी को अत्यंत राहत मिली है। इंडो स्कोपी के जरिए पहली बार सुरंग में फंसे श्रमिकों की तस्वीरे आने और नाम तथा चेहरे की पहचान के साथ यह सुनिश्चित होने से की सभी सुरक्षित और स्वस्थ है, राहत की सांस ली है। 6 एमएम पाइप के जरिए इंडो स्कोपी कैमरे में यह तस्वीरें लेने वाली रेस्क्यू टीम और परिजनों से बात भी की गई जिससे उनके सुरक्षित बाहर आने की संभावनाओं को बल मिला है तथा रोते बिलखते परिजनों ने भी संतोष की सांस ली है।

इन श्रमिकों को सुरंग में फंसे आज 10 दिन यानी 240 घंटे का समय बीत चुका है तथा रेस्क्यू कार्य में आ रही रूकावटों के कारण सभी चिंतित और परेशान थे। इससे पूर्व कल 6 एमएम का पाइप ड्रिलिंग कर इन मजदूरों तक पहुंच जाने के बाद उन्हें अब दाल, चावल खिचड़ी के साथ फल, जूस आदि पौष्टिक आहार भी पहुंचना शुरू हो गया है। जो जिंदा रहने के लिए जरूरी था।

उधर पीएमओ द्वारा रेस्क्यू अभियान की कमान संभाले जाने के बाद युद्ध स्तर पर बचाव व राहत कार्य भी जारी है तथा काम में अब अप्रत्याशित रूप से तेजी आई है। सुरंग में फंसे इन मजदूरों की जान बचाने के लिए अब 5-6 विकल्पों पर एक साथ काम किया जा रहा है। सुरंग के उपरी हिस्से में डीलिंग के जरिए इन मजदूरों तक पहुंचने के लिए पहाड़ पर 1.5 किमी लंबा रास्ता तैयार कर लिया गया है जहां बिजली और पानी पहुंचाया जा चुका है। वही बड़कोट की ओर से सुरंग बनाने का काम भी जारी है और 6 मीटर तक सुरंग बनाई जा चुकी है। वर्टिकल ड्रिलिंग के जरिए मजदूर तक पहुंचने के लिए भी प्लेटफार्म तैयार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार गुजरात के वलसाड और उड़ीसा के हीराकुंड से दो हैवी पाइलिंग मशीने मंगाई गई हैं जो 75-75 टन वजनी बताई जा रही है। यह मशीने जॉली ग्रांट एयरपोर्ट पहुंच चुकी है जिन्हें अब ट्रकों के जरिए सिलक्यारा सुरंग तक पहुंचाया जा रहा है। उम्मीद है कि आज देर शाम तक यह मशीने

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

30 नवम्बर तक सड़कें नहीं हुई गड्ढा मुक्त तो अधिकारियों पर होगी कार्यवाही:धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 30 नवम्बर तक सडकों को गड्ढा मुक्त किया जाये अगर ऐसा नहीं हुआ तो मौके पर ही सम्बन्धित अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही होगी।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में लोक निर्माण विभाग की बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिये कि 30 नवम्बर तक सड़को को पूर्ण रूप से गड्ढा मुक्त बनाया जाय। सचिव लोक निर्माण विभाग एवं अन्य सर्कल ऑफिसर सड़कों का स्थलीय निरीक्षण करें। उन्होंने निर्देश दिये कि निर्धारित समयावधि में सड़को के गड्ढ़ा मुक्त न होने की स्थिति में और कार्यों के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही पर संबंधित अधिकारियों पर मौके पर ही निलंबन की कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे कभी भी सड़कों के निर्माण कार्यों एवं पैच वर्क से संबधित कार्यों का औचक निरीक्षण कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि स्मार्ट सिटी के कार्यों और आर्तेरिक सड़क मार्गों के कार्यों में भी युद्धस्तर पर कार्य किये जाएं। शहर में सड़कों के निर्माण कार्य रात्रि के समय तेजी से किये जाएं। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये जो भी सड़के बनाई जा रही हैं, उनमें गुणवत्तापूर्वक कार्य हो, इसकी निगरानी के लिए सचिव लोक निर्माण विभाग को नोडल अधिकारी बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि जहां पर भी निर्माण कार्य प्रगति पर है वहां पर बैरिकेटिंग सही तरह से लगे, इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि लोगों को

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

पीएम को सीएम ने दी श्रमिकों के सकुशल होने की जानकारी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन पर श्रमिकों के सकुशल होने के साथ ही एंडोस्कोपिक फ्लेक्सी कैमरे की मदद से हुई बातचीत एवं उनकी कुशलता की जानकारी भी जानकारी दी। आज यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पुनः फोन कर सिलक्यारा, उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सुरंग में फँसे श्रमिकों के राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को 6 इंच व्यास की पाइप लाइन के सफलता पूर्वक मलबे के आर पार किए जाने एवं इसके माध्यम से भोजन एवं अन्य आवश्यक सामान श्रमिकों तक पहुँचाने के विषय में अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों से एंडोस्कोपिक फ्लेक्सी कैमरे की मदद से हुई बातचीत एवं उनकी कुशलता की जानकारी भी पीएम को दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी श्रमिकों को सुरक्षित निकालना हमारी शीर्ष प्राथमिकता है।

सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या पिथौरागढ में सबसे अधिक

संवाददाता

देहरादून। पिछले छह माह में सडक दुर्घटनाओं मे सबसे ज्यादा 22 लोगों की मौत पिथौरागढ जनपद में हुई तथा पूरे प्रदेश में मरने वालों की संख्या 118 अंकित हुई हैं।

आज यहां आपातकालीन परिचालन केन्द्र सचिवालय से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश में 15 जून से अभी तक प्रदेश में सडक दुघर्टनाओं में मरने वालों की संख्या व घायलों की संख्या का ब्यौरा दिया गया जिसके अनुसार पिथौरागढ में सडक दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या 22 है जबकि घायलों 15 हुए हैं। इसके साथ ही पूरे प्रदेश में सडक दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या 118

व घायलों की संख्या 277 अंकित की गयी है। जिनमें अल्मोडा में मरने वाले 5 व घायल 17, बागेश्वर में मृतक 3 घायल शून्य, चमोली में मरने वालों की संख्या 11 व घायल 33, चम्पावत में पिछले छह माह में सडक दुर्घटना में किसी के भी मरने की सूचना नहीं है जबकि 38 लोग घायल हुए हैं। इसके साथ ही राजधानी दून में सडक दुर्घटना में मरने वालों की संख्या 6 व 20 लोग घायल हुए, हरिद्वार में मरने वाले तीन व दो लोग घायल हुए हैं। इसके साथ ही पौडी में मरने वाले 10 व घायल 31, रूद्रप्रयाग मरने वाले दो व घायल सात, टिहरी में मरने वाले 18 व 40 लोग घायल, उत्तरकाशी में भी मरने वाले 18 व 32 लोग घायल तथा नैनीताल पिथौरागढ के बाद दूसरा जनपद में जहां पर सडक दुर्घटना में मरने वालों की संख्या 20 व 42 लोग घायल हुए बताये गये हैं। इसके अनुसार पूरे प्रदेश में सडक दुघर्टनाएं पिथौरागढ व नैनीताल में अधिक होती हैं। जिसकी रोकथाम होना जरूरी है जिसके लिए जिला प्रशासन व प्रदेश सरकार को कुछ उपाय करने चाहिए जिससे की अगले छह माह में इसमें कमी आ सके।

दून वैली मेल

संपादकीय

मानसिक विकृतियों का शिकार समाज

राजधानी देहरादून में बीते कल पुलिस ने वायु सेवा में कार्यरत एक व्यक्ति को अपनी ही नाबालिक बेटी से दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। पीड़ित लड़की और उसकी मां के अनुसार आरोपी पिता बीते 5 साल से जब वह 12 साल की थी तभी से उसका शारीरिक शोषण कर रहा था। भले ही इससे पूर्व भी एक पिता द्वारा अपनी ही मासूम और अबोध बच्चियों को अपनी हवस का शिकार बनाने की अन्य कई घटनाएं भी सामने आ चुकी हो, लेकिन इस तरह की वारदातों से यह सोचकर दरकिनार नहीं किया जा सकता है कि यह संसार है और इसमें तमाम तरह की घटनाएं दुर्घटनाएं घटती ही रहती हैं। अभी सिर्फ दो दिन पूर्व ही दून में एक बेटे द्वारा अपनी मां की बेरहमी से हत्या करने का मामला सामने आया था। कहा जा रहा था कि मां की टोका टोकी से तंग आकर बेटे ने यह काम किया। अभी इससे कुछ ही दिन पूर्व पहाड़ से एक और खबर आई थी जिसमें एक बेटे ने डंडे से पीट-पीट कर अपनी ही मां की हत्या कर दी थी। बताया जाता है कि वह मां से शराब के लिए पैसे मांग रहा था और मां के मना करने पर उसने मां को ही मार डाला। ऋषिकेश में अभी कुछ साल पहले एक मां ने अपने बेटे की हत्या इसलिए कर दी थी क्योंकि उसका बेटा अपनी विधवा मां को ही अपनी हवस का शिकार बना रहा था। अभी 2 दिन पूर्व अमेरिका में कैलिफोर्निया से भी एक ऐसी ही दिल दहलाने वाली वारदात सामने आई थी जिसे दिल दहला कर रख दिया। 5 साल के एक लड़के ने अपने ही जुड़वा भाई को चाकू से गोद कर मौत के घाट उतार दिया। इन तमाम घटनाओं का जिक्र यहां इसलिए किया जाना जरूरी है क्योंकि हम जिस समाज में रह रहे हैं यह सारी घटनाएं इसी समाज में हमारे आसपास ही घटित हो रही है। जिस समाज को आदमी की जिंदगी का अहम हिस्सा माना जाता है और समाज के बिना मनुष्य जीवन की कल्पना भी संभव नहीं है उस समाज में अगर मानसिक विकृतियों सामाजिक मर्यादाओं और मानवीय मूल्यों का इस हद तक पतन हो जाए जहां रिश्तो का कोई महत्व न रहे उस समाज में कोई भी व्यक्ति या परिवार भला स्वयं को कैसे सुरक्षित महसूस कर सकता है समाज की संरचना की आदमी को जरूरत इसलिए हुई थी क्योंकि उसे समाज से सुरक्षा मिलती है, परिवार जो इस समाज की सबसे छोटी इकाई है उसका अस्तित्व अगर खत्म हो जाता है तो उस समाज का खात्मा भी तय समझ लीजिए। अगर अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों के समाज पर नजर डालें तो वहां वास्तव में परिवार का मतलब सिर्फ संतान उत्पत्ति और माता-पिता के नाम तक ही सीमित है। आज हमारी भावी पीढ़ी में पाश्चत्य संस्कृति के पीछे दौड़ने की होड़ लगी हुई है यह होड़ सिर्फ अंग्रेजी बोलने या अंग्रेजों जैसी वेशभूषा तक ही सीमित नहीं है। अब यह होड़ हर क्षेत्र में खुली आजादी तक आ पहुंची है। आपके बच्चे कहां आते हैं कहां जाते हैं क्या करते हैं? इस मामले में अगर आप कुछ पूछना भी चाहे तो उन्हें ऐसा लगता है कि यह उनकी निजी जिंदगी में हस्तक्षेप है, टोका-टोकी है जो हमारी नई पीढ़ी को कतई भी गवारा नहीं है जहां तक बात उन्हें किसी काम के बारे में अच्छे या बुरे की समझ देने की है तो आप भूल जाए उनका सीधा जवाब होता है कि आपको कुछ आता भी है या आपको कुछ पता भी है। ऐसा लगता है कि अब नई पीढ़ी ने यह मान लिया है कि उनका ज्ञान ही सर्वोपरि है उनसे ज्यादा कोई कुछ नहीं जानता है। सामाजिक विकृति के शिकार इन युवाओं द्वारा समाज को क्या परोसा जा रहा है और वह किस तरह के भावी समाज की संरचना कर रहे हैं? इस पर कुछ भी सोचने विचारने के लिए उनके पास समय नहीं है। बढ़ती नशावर्ती ने उनके बुद्धि और विवेक को उसे हद तक चबा लिया है जहां नाते रिश्ते, मान-मर्यादा और अच्छे-बुरे का भेद करने की उनकी क्षमता समाप्त हो चुकी है। जो किसी समाज और राष्ट्र के लिए शुभ संकेत नहीं है।

दून में हुए पिथौरागढ़ के जिपंस मर्तोलिया सम्मानित

पिथौरागढ।

देहरादून में पंचायती राज विभाग उत्तराखंड द्वारा जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया को सामुदायिक पुस्तकालय सहित पंचायतों को सरकार की भूमिका में लाने के लिए आज सम्मानित किया गया।मर्तोलिया ने चार साल के कार्यकाल में जिला पंचायत बोर्ड से सात पुस्तकालयों के लिए 35 लाख रुपए स्वीकृत कराकर लीक से हटकर कार्य कर उत्तराखंड के पंचायतों को एक नयी राह दिखाई गई है।

पंचायती राज विभाग द्वारा आयोजित दो प्रशिक्षणों में जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि उत्तराखंड में खड़ंजा, बटिया, सीसी मार्ग पंचायतों की सरकार से लेकर राज्य तथा केंद्र के बजट में दिखता है। सांसद तथा विधायक निधि तो इससे बाहर भी नहीं आ पा रही है। उन्होने इन कार्यो का श्रेय पंचायतीराज उत्तराखंड को दिया। कहा कि इस विभाग के प्रशिक्षणों से उन्होंने जो सीखा उसे 2019 में सदस्य बनने के बाद उसे फील्ड में उतारा। उन्होंने सामुदायिक पुस्तकालय की अवधारणा पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि यह पुस्तकालय बच्चों को उनके गांव तथा विद्यालय जाकर पुस्तकालय में आने का निमंत्रण देता है।

विभिन्न विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों को अपनी कक्षा में अच्छे अंक लाने पर सम्मानित भी करता है। वर्ष भर पुस्तकालय को जीवंत रखने के लिए सात पृष्ठों का आधार पत्र भी बनाया गया है।

इस पुस्तकालय में केवल सरकारी सेवा ही नहीं स्वरोजगार के लिए भी विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाता है। उन्होंने त्रिस्तरीय पंचायत को सरकार की भूमिका में लाने के लिए किए गए कार्यों पर भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उनके जिला पंचायत वार्ड के ग्राम सभाओं की बैठकों में रेखीय विभाग की शत-प्रतिशत उपस्थिति रहती है।

पंचायत को सरकार की भूमिका में लाने के लिए यह आवश्यक है, कि पंचायतें याचक के स्थान पर आदेश देने वाली बने।

उन्होंने बताया विद्यालयों में होने वाली चॉकलेट बैठक में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों साथ पंचायत प्रतिनिधियों की मौजूदगी रहती है। इन बैठकों के माध्यम से विद्यार्थियों के द्वारा विभिन्न नवाचारों पर स्वयं बातचीत की जाती है। विद्यार्थियों द्वारा अपने विद्यालय तथा ग्राम सभा में स्वंय समस्याओं का चार्ट बनाया जाता है।

जिला पंचायत सरमोली के वार्ड में हो रहे उल्लेखनीय कार्यों को देखते हुए पंचायती राज विभाग उत्तराखंड द्वारा आज देहरादून में संस्कृति विभाग के दूरदर्शन केंद्र के निकट स्थित सभागार में संयुक्त निदेशक राजीव त्रिपाठी द्वारा जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पंचायती राज विभाग के उपनिदेशक मनोज तिवारी डीपीआरओ मुख्यालय डॉक्टर पूनम पाठक आदि मौजूद रहे।

देहरादून के सर्वे चौक स्थित आईआरडीटी हाल में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण में जिपंस जगत मर्तोलिया द्वारा दिए गए व्याख्यान के बाद पंचायती राज विभाग की निदेशक निधि यादव ने कहा कि सामुदायिक पुस्तकालय की अवधारणा को उत्तराखंड की अवधारणा बनाने के लिए सभी पंचायत को इससे प्रेरणा लेने के लिए एक विशेष प्लान बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस दुनिया में उसी को याद किया जाता है, जो लीक से हटकर कार्य करता है।

इसलिए सभी पंचायत को लीक से हटकर इस तरह के कार्य करने के लिए त्रिस्तरीय पंचायतों को प्रेरित करने के लिए लगातार प्रयास किया जाएगा। इसके लिए विभाग जिला पंचायत राज अधिकारियों को भी जिम्मेदारी देगा।

हॉक लिटिल मास्टर के ऑडिशन 25 और 26 नवंबर को: मीशा

देहरादून (कासं)। बच्चों की प्रतिभा के साथ-साथ उनके कौशल प्रदर्शन को दिखाने के लिए राजधानी में हॉक लिटिल मास्टर्स के ऑडिशन होने जा रहे हैं। यह ऑडिशन 25 और 26 नवंबर को देहरादून के विभिन्न क्षेत्रों में स्कूल और कैफे में आयोजित किए जाएंगे।

मीशा थिएटर की संस्थापक और सीईओ मीशा वैभव कालिया ने बताया कि कार्यक्रम का ग्रांड फिनाले दो और तीन दिसंबर को हाथी बड़कला स्थित सेंट्रियो मॉल में होगा। उन्होंने बताया कि युवा प्रतिभाओं को बढ़ाने और बच्चों में रचनात्मक के लिए उनकी संस्था काम कर रही है। आगामी कार्यक्रम में सौंदर्य प्रतियोगिता का आयोजन होगा जिसमें मिस लिटिल हॉक और मास्टर हॉक की उपाधियां दी जाएगी।

इसके साथ ही टैलेंट हंट में युवाओं के लुभावने प्रदर्शन की प्रस्तुति होगी। जिसमें स्टैंड अप कॉमेडी से लेकर नृत्य, गायन, जादू के करतब और वाद्य यंत्र बजाने के साथ ही जिमनास्टिक, बीटबॉक्सिंग से लेकर ललित कला तक की क्षमताओं का प्रदर्शन युवाओं द्वारा किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि किड प्रेन्योर एक्सपो में भविष्य के बिजनेस टायकून की खोज होगी। जिसमें नवोदय विद्यालय 18 वर्ष से कम आयु की होंगे जो अपने नवीन उत्पादों और सेवाओं की पेशकश कर सकते हैं।

पेनासोनिक एंकर कम्पनी का नकली सामान बेचता दुकानदार पकडा

देहरादून (सं)। पेनासोनिक एंकर कम्पनी के नाम पर नकली सामान बेचते दुकानदार को पुलिस ने पकड काफी मात्रा में नकली सामान जब्त कर मुकदमा दर्ज किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार निशान्त कालोनी गाजियाबाद निवासी रवि सिंह ने विकासनगर कोतवाली पुलिस को सूचना दी कि वह नेत्रिका कनसल्टिग इण्डिया कम्पनी का टीम लीडर के पद पर नियुक्त है तथा उनकी कम्पनी अलग-अलग उत्पाद करने वाली कम्पनियों द्वारा इकरार भी किया गया है। उसको सूचना मिली है कि रसूलपुर बाजार में पेनासोनिक एंकर कम्पनी के नाम पर नकली सामान बेचा जा रहा है। जिसके बाद रवि सिंह ने पुलिस को आथराइज लेटर व एंकर कम्पनी द्वारा दिया गया एक्सपर्ट लेटर के साथ ही कॉपीराइट, ट्रेडमार्क के सभी दस्तावेज दिखाये। जिसके बाद पुलिस की एक टीम के साथ रवि सिंह ने संजय चौहान की मोहाना ट्रेडर्स रसूलपुर में छापा मारकर वहां से भारी मात्रा में सामान बरामद कर लिया। जिसके बाद पुलिस ने सामान को जब्त कर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स पवित्रे विचक्षणो हरिरर्षति धर्णसिः।
अभि योनिं कनिक्रदत्।।
(ऋग्वेद ९-३७-२)

परमात्मा सर्वज्ञ है और प्रकृति में सभी स्थानों पर व्याप्त है। वह ब्रह्मांड का पालन कर्ता है। परमेश्वर की व्याप्तता स्पष्ट रूप से गोचर होती है।

विद्युत बिलों में प्रस्तावित वृद्धि के खिलाफ जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। विद्युत बिलों में वृद्धि किये जाने के खिलाफ संयुक्त विपक्षी दलों व संगठनों पर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां ऊर्जा निगम द्वारा 30 नवम्बर 023 मूल्य बृद्धि का प्रस्ताव नियामक आयोग को भेजने के प्रस्ताव के विरोध में संयुक्त विपक्षी दलों एवं जनसंगठनों जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया,ज्ञापन कलेक्ट्रेट के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी राजेश कपिल ने लिया।

ज्ञापन में उन्होंने कहा कि गत 2022 में चार बार मूल्यवृद्धि की गई थी ,तथा इस बर्ष पिछले दरबाजे से फ्यूल एवं पावर परचेज के नाम से जुलाई सितम्बर 023 में घरेलू उपभोक्ताओं से 36 पैसे तथा अक्टूबर तथा नवम्बर 023 महीने के लिये 27 तथा 23 पैसे निर्धारित कर उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बसूली का क्रम जारी है, इसी प्रकार ऊर्जा निगम द्वारा 30 नवम्बर को बिद्युत नियामक आयोग को बिद्युत दरों में बढोतरी का प्रस्ताव प्रेषित किया जाना है, इस प्रकार ऊर्जा निगम फिजूलखर्ची तथा इसमें कार्यरत निजी कम्पनियों की फिजूलखर्ची का भार आम उपभोक्ताओं घ्को सहन करना पड़ेगा ,साथ हि ऊर्जा निगम बड़े बकायेदारों से बिधुत बिल बकाया जो कि करोड़ों करोड़ घ्तथा कुल बसूली का लगभग 15 प्रतिशत है, बसूली के प्रति उदासीन है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि यहाँ के उपभोक्ताओं को सस्ते दरों पर बिजली उपलब्ध कराते हुये सब्सिडी का लाभ राज्य के बिद्युत उपभोक्ताओं को दिया जाऐ तथा बार बार बिद्युत बिल बढ़ोतरी पर अंकुश लगाया जाऐ। ज्ञापन देने वालों में सीपीआई (एम)सिपिआई सिपिएम एल ,आरयूपी ,यूकेडी ,सपा ,जेडी एस ,उत्तराखण्ड आन्दोलनकारि परिषद, नेताजी संघर्ष समिति ,एटक, सीआईटियू ,जनवादी महिला समिति/ महिला मंच ,चेतना मंच ,इन्सानियत मंच, पिपुल्स फोरम आदि संगठन मौजूद थे ।

सूखी खांसी के इलाज के लिए कारगर है ये घरेलु नुस्खे

अब धीरे धीरे सर्दियाँ बढ़ने लगी है। मौसम में बदलाव के साथ खाँसी जुखाम जैसी समस्याएं भी पनपने लगी है। आमतौर पर हर किसी को कभी ना कभी खांसी जैसी समस्या होती है। बलगम वाली खांसी में सफेद या पीले रंग का बलगम बनता है लेकिन सूखी खांसी में किसी तरह का बलगम नहीं बनता है। सूखी खांसी के दौरान ऐसा लगता है जैसे गले में कुछ अटका हुआ है।

सूखी खांसी के कुछ घरेलु उपाय:

शहद: सूखी खांसी होने पर गर्म दूध में शहद को मिलाकर पीने से आराम मिलेगा इसके साथ ही खांसी की वजह से सीने के दर्द से भी राहत मिलेगी। इसके लिए एक चम्मच शहद का दिन में तीन बार सेवन करें।

तुलसी: तुलसी के पत्ते सूखी खांसी को दूर करने का रामबाण इलाज है। इसके लिए तुलसी के कुछ पत्तों को पानी में उबालकर इसमें छोड़ी सी चीनी डालकर रात में सोने से पहले पीना चाहिए।

हल्दी: एक चम्मच हल्दी को अजवाइन के साथ मिलाकर एक गिलास पानी में उबालें। जब उबलकर यह पानी आधा हो जाए तब इसमें थोड़ा सा शहद मिलाकर इसका दिन में कम से कम तीन बार सेवन करें।

अदरक और नींबू: इसके लिए अदरक को पीसकर एक कटोरी में उसका रस निकाल लें। उसमें एक चम्मच शहद मिलाकर इसे धीरे-धीरे चाट लें। इस तरह आप सूखी खाँसी से निजात पा सकते है। (आरएनएस)

वजन घटाने के लिए जानें दिन के किस समय टहलना होता है सबसे सही

टहलना सेहत के लिए कई मायनों में फायदेमंद है। यह वजन घटाने में भी बहुत मदद करता है। जो लोग किसी कारण जिम नहीं जा पाते या हैवी वर्कआउट नहीं कर पाते हैं, उनके लिए फिट और हेल्दी रहने के लिए टहलना एक बेहतर विकल्प है।

हाल ही में हुए एक रिसर्च के अनुसार, खाना खाने के बाद टहलने से सेहत को कई फायदे होते हैं। इससे शरीर का फैट बर्न होता है और मोटापा कम होता है। आइए जानते हैं टहलने के फायदे, हर दिन हमें कितना टहलना चाहिए और टहलने का सबसे अच्छा समय क्या है।

टहलने का सबसे अच्छा समय

यह कहने की बात नहीं है कि दिन में किसी भी समय टहलना शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। लेकिन खासतौर पर खाने के बाद टहलना वजन घटाने और डायबिटीज को कंट्रोल करने के लिए बेहतर है। जिन लोगों को कोई बीमारी नहीं है, उन्हें भविष्य में स्वास्थ्य समस्याओं से बचने के लिए नियमित टहलना चाहिए।

टहलने से कैसे घटता है वजन

टहलने से कैलोरी बर्न होती है मेटाबोलिज्म बेहतर होता है। हर दिन हम अपने घर में या बाहर जितना अधिक टहलने हैं, कैलोरी उतनी ही तेजी से घटती है। इसलिए वजन घटाने के लिए हमें अधिक से अधिक टहलना चाहिए।

रोजाना वर्कआउट करने से न सिर्फ वजन घटता है बल्कि ब्लड शुगर लेवल भी नियंत्रित रहता है। 2016 में हुई एक स्टडी के अनुसार, हर बार भोजन के बाद 10 मिनट टहलने से टाइप 2 डायबिटीज से पीड़ित लोगों में ब्लड शुगर का स्तर घटता है। भोजन के बाद 10 मिनट टहलना दिन में किसी भी समय 30 मिनट टहलने से कहीं अधिक फायदेमंद होता है।

जब आप टहलते हैं, या कोई अन्य एक्सरसाइज करते हैं, तो आपका हार्ट रेट बढ़ता है और आपकी मांसपेशियां एनर्जी के रूप में कार्बोहाइड्रेट या शुगर का इस्तेमाल करना शुरू कर देती हैं। जब आप भोजन में कार्बोहाइड्रेट का सेवन करते हैं, तो आपका ब्लड शुगर बढ़ जाता है। खून से इस शुगर को बाहर निकालना और शरीर की सभी कोशिकाओं तक पहुंचाना इंसुलिन का काम होता है। भोजन के बाद जब आप टहलते हैं, तो मांसपेशियों में शुगर की मात्रा बढ़ जाती है। जिससे हमारे रक्त से एक्स्ट्रा शुगर बाहर निकल जाता है। ब्लड शुगर कंट्रोल होने से वजन तेजी से घटता है।

हर रोज कितनी एक्सरसाइज करनी चाहिए

नियमित कितनी और कौन सी एक्सरसाइज करनी चाहिए, इससे जुड़े कई नियम हैं। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार, हर हफ्ते 150 मिनट मॉडरेट-इंटेंसिटी एरोबिक एक्सरसाइज करनी चाहिए।हर दिन कम से कम 21 मिनट मॉडरेट-इंटेंसिटी से टहलना या चलना चाहिए। इससे हृदय रोग और टाइप 2 डायबिटीज का खतरा कम होता है। साथ ही हड्डियां मजबूत होती हैं और वजन भी घटता है।

वजन घटाने के लिए खाना खाने के बाद नियमित टहलना चाहिए। इसके साथ ही हेल्दी डाइट पर भी ध्यान देना चाहिए।(आरएनएस)

पपीते और एलो वेरा जैल से पाएं साफ त्वचा

चेहरे को अगर साफ, दमकता और खूबसूरत बनाना हो तो घर में उपलब्ध चीजों का ही प्रयोग करना चाहिये। कहते हैं कि पपीते के चेहरे पर लगाने से चेहरे में चमक आती है और अगर बात करें एलो वेरा जैल की तो, उससे स्किन की काफी सारी बीमारियां दूर होती हैं। आज हम आपको पपीते और एलो वेरा जैल से तैया फेस पैक बनाना सिखाएंगे, जो आपके ऑइली स्किन के लिये बहुत अच्छा होता है। सामग्री- डु पपीता 1 चम्मच एलोवेरा का ताजा जेल बनाने की विधि - एलोवेरा जैल और पके पपीते के थोड़े से टुकड़ों को मिक्सर में डाल कर ब्लेड कर दें। फिर इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट के लिये छोड़ दें। पेस्ट सूख जाने के बाद हल्के गरम पानी तथा साबुन से धो लें।

ऑइल कंट्रोल करे इस मिश्रण को चेहरे पर लगाने से सीबम का प्रॉडक्शन कम होता है, जिससे चेहरे पर चिपचिपापन कम होता है और तेल नहीं निकलता।

सूरज से सुरक्षा इसमें मौजूद विटामिन सी और एंटीऑसीडेंट आपके चेहरे को सूरज से निकलने वाली तेज किरणो से बचाती हैं। जिससे स्किन में सन टैनिंग नहीं होती। चेहरा गोरा बनाए इस मिश्रण में ढेर सारे पोषण होते हैं जो स्किन की सेल्स को नरिश कर के चेहरे को गोरा बनाने का काम करती है। त्वचा में नमी पहुंचाए पपीता और एलोवेरा चेहरे में नमी भरते हैं और चेहरे का पीएच बैलेंस मेंटेन करते हैं। साथ ही यह पोर्स को हाइड्रेट रखने में मदद करते हैं जिससे स्किन मुलायम बनती है।

त्वचा में नमी पहुंचाए पपीता और एलोवेरा चेहरे में नमी भरते हैं और चेहरे का पीएच बैलेंस मेंटेन करते हैं। साथ ही यह पोर्स को हाइड्रेट रखने में मदद करते हैं जिससे स्किन मुलायम बनती है।

एंटी एजिंग इसे पेस्ट को नियमित रूप से चेहरे पर लगाने से त्वचा में लचीलापन आता है और कोलाजेन का प्रोडक्शन बढ़ता है, जिससे बारीक धारियां कम हो जाती हैं। अनचाहे बालों से मुक्ती अगर इस मिश्रण को बेकिंग सोडा के साथ मिक्स कर के लगाया जाए तो चेहरे के अनचाहे बाल झड़ जाते हैं। लेकिन इसे नियमित लगाना होगा।

ये नुस्खे हृदय रोगों से सुरक्षित रखेंगे

हृदय रोगों के बारे आप अपने अनुवांशिकी और पारिवारिक इतिहास को तो नहीं बदल सकते लेकिन कई ऐसी चीजें हैं, जिनके पालन से आप हृदय रोगों के खतरों को कम कर सकते हैं।

ब्रिटेन की पहली महिला वैट लॉस सर्जन डॉ. सैली नोर्टन ने आठ ऐसे नुस्खे बताएं हैं, जिनसे भविष्य में हृदय रोगों के खतरे को कम किया जा सकता है।

1. धूम्रपान पर रोक : ब्रिटिश महिला के पिछले साल प्रकाशित एक शोध के मुताबिक धूम्रपान करने वाले लोगों की आयु सामान्य लोगों की तुलना में 10 साल कम होती है।

2. अपने वजन पर ध्यान दें : हृदय रोग और अत्यधिक वजन के बीच का संबंध काफी सशक्त होता है। इससे हृदयघात और उच्च रक्त चाप का खतरा अधिक होता है।

3. फैट मुक्त होना सर्वश्रेष्ठ : लोगों को वसायुक्त की बजाए ऐसा भोजन खाना चाहिए, जिसमें इसकी मात्रा कम हो या न के बराबर हो।

4. प्रोसेस्ड मांस न खाएं: क्योंकि ऐसा करने से हृदयघात की संभावना बढ़ जाती है।

5. कम नमक खाएं : ब्रिटिश हॉर्ट फाउंडेशन का कहना है कि अधिक नमक के सेवन से रक्तचाप बढम् सकता है।

6. कम चीनी खाएं : अधिक चीनी खाने से मधुमेह का खतरा भी बना रहता है।

7. सक्रिय रहें : व्यायाम शुरू करने के लिए कोई भी समय सही है। रोजाना के व्यायाम से कई फायदे होते हैं।

8. तनाव मुक्त रहें : तनाव होने के कारण वजन बढ़ने का खतरा भी रहता है, जिसके कारण हृदय रोगों की संभावना भी अधिक होती है।

रोटी भी बदल सकती है किस्मत

रोटी, कपडा और मकान यह इंसान की 3 सबसे पहली जरुरत है। रोटी के कुछ ऐसे उपाय हमें किताबों में मिलते हैं जो आश्चर्य में डाल देते हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसे टोटके रोटी के, जो हमारा नसीब भी बदल सकते हैं।

घर की रसोई में पहली रोटी सेंकने के बाद उसमें शुद्ध घी लगाकर चार टुकढे कर लें और चारों टुकढों पर खीर अथवा चीनी या गुढ रख लें। इसमें से एक को गाय को, दूसरे को कुत्ते को, तीसरे को कौवे को और चैथे को किसी भिखारी को दे दें। इस उपाय के तहत गाय को रोटी को खिलाने से पितृदोष दूर होगा, कुत्ते को रोटी खिलाने से शत्रुभय दूर होगा, कौवे को रोटी खिलाने से पितृदोष और कालसर्प दोष दूर होगा और अंतिम रोटी का टुकढा किसी गरीब या भूखे को भोजन के साथ खिलाने से आर्थिक कष्ट दूर होंगे और बिगढे काम बनने लगेंगे।

यदि आपके जीवन में शनि पीढा है या फिर राहु-केतु की अढचनें हो तो रोटी का यह उपाय आपके लिए रामबाण साबित हो सकता है। इन सभी ग्रहों की अशुभता को दूर करने के लिए रात के समय बनाई जाने वाली अंतिम रोटी पर सरसों का तेल लगाकर काले कुत्ते को खाने के लिए दें। यदि काला कुत्ता उपलब्ध न हो तो किसी भी कुत्ते के बच्चे को खिलाकर इस उपाय को कर सकते हैं।

हमारे यहां अतिथि को देवता के समान माना गया है फिर वह धनवान हो या फिर आम आदमी। यदि कोई निर्धन या भिखारी आपके घर के दरवाजे पर आए तो यथासंभव भोजन अवश्य कराएं। भोजन में भी रोटी जरूर खिलाएं या हाथ से परोसें।

यदि तमाम प्रयासों के बावजूद सफलता आपके हाथ नहीं लग रही है तो आप के लिए रोटी का यह उपाय वरदान साबित हो सकता है। रोटी और चीनी को मिलाकर छोटे-छोटे टुकढे चीटियों के खाने के लिए उनके बिल के आस-पास डालें। इस उपाय से आपकी बाधाएं धीरे-धीरे दूर होने लगेंगी।

यदि आपके घर की शांति को किसी की नजर लग गई है और आए दिन लढाई झगढा होता रहता है तो आप रोटी से जुढे चमत्कारी उपाय को जरूर अपनाकर देखें। दोपहर के समय जब आप अपनी रसोई में पहली रोटी सेंके तो उसे गाय के लिए और अंतिम रोटी कुत्ते के लिए जरूर निकाल लें। उसे भोजन से पूर्व गाय और कुत्ते को खिलाने का प्रयास करें। यदि यह न संभव हो तो बाद में उसे खिला दें।

अगर करियर में रुकावट है, नौकरी नहीं मिल रही है तो यह उपाय करें। कटोरदान की नीचे से तीसरे नंबर की रोटी लें, तेल की कटोरी में अपनी बीच वाली अंगुली और तर्जनी यानी पास वाली बढी अंगुली को एक साथ डुबोएं अब उस रोटी पर दोनों अंगुलियों से एक साथ लाइन खींचें। अब इस रोटी को बिना कुछ बोले दो रंग के कुत्ते को डाल दें। यह उपाय गुरुवार या रविवार को करेंगे तो करियर की हर बाधा दूर होगी।

बस एक ब्लड टेस्ट से मिलेगी डिमेंशिया की जानकारी

अब डिमेंशिया का काफी पहले पता लगाया जा सकेगा। बढती उम्र से जुढी भूलने की इस बीमारी का पता दो दशक पहले ही चल जाएगा। एक हालिया अध्ययन के मुताबिक साधारण ब्लड टेस्ट के जरिए बीमारी के लक्षण दिखने से 16 साल पहले ही डिमेंशिया की जांच की जा सकेगी। इस तरह रोग की आहट से पहले ही रोग का पता चल सकेगा और वक्त रहते रोकथाम कर पाना संभव होगा।

दरअसल शोधकर्ता लंबे समय से यह जानते हैं कि डिमेंशिया की बीमारी में एक निश्चित प्रोटीन की मात्रा बढ जाती है, जो मस्तिष्क की कोशिकाओं में लीक होने के बाद सेरेब्रोस्पाइनल फ्लूड में चला जाता है लेकिन इस प्रोटीन को कैसे मापा जाए, इस बारे में पता नहीं लगा सके थे। मगर, वैज्ञानिकों का कहना है कि वह रक्त जांच में अब इस प्रोटीन को डिटेक्ट कर सकते हैं। इतना ही नहीं, इस प्रोटीन के स्तर के साथ ही उसके बढने की गति की भी जांच की जा सकती है। टेस्ट में देखा जा सकेगा कि क्या प्रोटीन उसी गति से बढ रहा है, जिस गति से मस्तिष्क के न्यूरॉन खत्म हो रहे हैं और मस्तिष्क सिकुढ रहा है।

सस्ता, आसान और अच्छा है ब्लड टेस्ट। सेंट लुई में वाशिंगटन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिकल की टीम द्वारा किए गए इस अध्ययन के बाद वैज्ञानिकों का कहना है कि ब्लड टेस्ट बेहद आसान है। इसके परिणाम अच्छे हैं, फास्ट है और सबसे बढी बात सस्ता है। क्लीनिक में ब्रेन कंडीशन की रुटीन जांच में यह ब्लड टेस्ट अहम भूमिका निभा सकता है। प्रोटीन की जांच करने वाला यह ब्लड टेस्ट मिडिल एज में किया जाएगा। ठीक उस अवस्था से पहले, जबअधिकतर लोगों में एल्जाइमर जैसी बीमारी का पता चलता है।

इससे जूझ रहे रोगी की याददाश्त में कमी आ जाती है और संज्ञानात्मक बोध कम हो जाता है। अध्ययन में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों में दोषपूर्ण जीन वैरिएंट वाले 4० लोग थे। अपनी पिछली क्लीनिकल जांच के दो साल बाद उनका ब्रेन स्केन और संज्ञानात्मक परीक्षण हुआ। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन प्रतिभागियों के प्रोटीन में दो साल के अंतराल पर जादुई इजाफा हुआ, उनके उनके मस्तिष्क में न्यूरॉन की कमी और सिकुढन भी देखी गई। मेमोरी टेस्ट और संज्ञानात्मक परीक्षण में भी उनकी प्रस्तुति खराब निकली। परीक्षण में न्यूरोफिलामेंट नाम के प्रोटीन का पता लगाया गया है। आमतौर पर मस्तिष्क की कोशिकाओं के क्षतिग्रस्त या मृत होने के बाद यह प्रोटीन रक्त और सेरेब्रोस्पाइनल फ्लुड में लीक होता है। लक्षण प्रकट होने से 16 साल पहले बीमारी का पता चलना बहुत प्रारंभिक प्रक्रिया है, लेकिन हम अंतर देख पाए हैं। यह उन मरीजों की पहचान करने के लिए एक अच्छा प्रीक्लिनिकल बायोमार्कर हो सकता है, जिनमें इस बीमारी से जुढे लक्षण पनप रहे हैं।

आसन से डायबिटीज और पेट की बीमारियां रहेंगी दूर

डायबिटीज और पेट की बीमारियां को दूर रखने में योग सहायक साबित हुआ है। योग में बताये गये आसन अगर आप करते हैं तो डायबिटीज और पेट की बीमारियों से कापफी हद तक बचाव हो सकता है। इसमें लाभकारी आसान हैं।

मंडूक आसन - इसे करने के लिए जमीन पर वज्रासन की मुद्रा में बैठ जाएं। अब दोनों हाथों के अंगूठे अंदर करते हुए मुट्ठी बंद कर नाभी के पास लगाएं। सांस अंदर लें और बाहर छो? दें। पेट को अंदर करते हुए नीचे आएं और दोनों कंधों को घुटनों पर टिका दें। इस अवस्था में शुरुआत में जितनी देर आरात से हो सके रुकें। वैसे इस आसन को एक से 5 मिनट एक आसन करना है। फिर धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में लौट आएं। इस आसन को करने का एक तरीका और भी हैं। इसमें भी जमीन या समतल जगह पर वज्रासन में बैठ जाएं। गहरी सांस अंदर लें और फिर पूरा बाहर निकाल दें। अब अपना दाहिना हाथ नाभी को कवर करते हुए उसके ऊपर रख दें। दूसरी हथेली को उसके ऊपर रखें और पहले की तरह नीचे की ओर झुकें। दोनों कंधों को घुटनों पर टिका दें। यथाशक्ति कुछ देर इसी अवस्था में रुकें और फिर धीरे-धीरे वापस आ जाएं। इस आसन को वज्रासन में करने में दिक्कत हो रही हो तो सुखासन में भी किया जा सकता है। फायदे - यह पेट के लिए बहुत फायदेमंद है। इससे अग्नयाशय सक्रिय होता है जिससे डायबिटीज के रोगियों को लाभ मिलता है। इस आसन को करने से मांसपेशियां मजबूत होती हैं और पेट की चर्बी घटती है। यह घुटनों और मांसपेशियों को स?ट्रेच करता है। साथ ही यह री? को आराम देता है और पीठ दर्द या पीठ संबंधी परेशानियों से निजात दिलाता है। यह उदर और हृदय रोग में भी लाभदायक होता है। इस योगसन से ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। कब्ज, गैस, भूख न लगना, अपच आदि पेट संबंधी रोगों को ठीक करता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन

आपका तकिया ही बनता है पिंपल होने का कारण ?

जितनी जरूरी हमारी हेल्थ है ठीक उसी तरह हमारी त्वचा और बालों को भी हमारी खास केयर की जरूरत पड़ती है। कई बार ऐसा होता है कि त्वचा की ठीक से देखभाल नहीं होने पर उसपर मुंहासे या पिंप्लस कई दिनों तक रह जाते हैं। जोकि काफी ज्यादा परेशान करते हैं। लेकिन आपको पता चला कि चेहरे पर पिंप्लस का कारण आपका तकिया हो सकता है तो इस पर आप क्या कहेंगे? आज हम इस आर्टिकल के जरिए तकिया और पिंप्लस के बीच क्या कनेक्शन है इस पर ही चर्चा करेंगे।

तकिये में बैक्टीरिया जमा हो जाते हैं

जब तकिए को बार-बार नहीं धोया जाता है, तो इसमें धीरे-धीरे बैक्टीरिया, गंदगी और तेल जमा होने लगते हैं। गंदगी जमा होने के कारण तकिए के बाहरी भाग में गंदगी पनपने के कारण मुंहासे निकलने का कारण बनते हैं। ये पर्यावरण और डेली लाइफस्टाइल से हमारी अपनी त्वचा और बालों से आते हैं। बाहरी कपड़ों के संपर्क से आपकी त्वचा में होने वाली जलन को एक्ने मैकेनिका कहा जाता है। कपड़े गर्मी, पसीने या बैक्टीरिया को फंसा लेते हैं, जिससे त्वचा में जलन होती है। हालांकि खेल उपकरणों के कारण अक्सर एथलीटों में देखा जाता है। तकिए जैसी घरेलू वस्तुएं भी मुंहासे मेकेनिका को बढ़ा सकती है।

दाग-धब्बे हो सकते हैं

रिपोर्ट के अनुसार एक्ने मैकेनिका किसी भी प्रकार का मुंहासे है जो आपके चेहरे को छूने वाली सामग्री या वस्तुओं का परिणाम है। जब आपके तकिए के आवरण को नियमित रूप से नहीं धोया जाता है या बदला नहीं जाता है। तो पर्यावरण से गंदगी और तेल के साथ-साथ तकिये को छूने वाली आपकी त्वचा और बाल आपकी त्वचा में वापस चले जाते हैं। इससे रोमछिद्र बंद हो सकते हैं और दाग-धब्बे हो सकते हैं। मेकअप और हेयर स्टाइलिंग उत्पाद मुंहासे कॉस्मेटिका के जरिए ब्रेकआउट का कारण बनते हैं। पिंपल्स और कॉमेडोन उन उत्पादों के कारण होते हैं जिन्हें हम अपनी त्वचा और बालों पर लगाते हैं। जब हम अपने मेकअप उत्पादों के अवशेषों को पूरी तरह से नहीं धोते हैं, तो यह हमारे तकिए पर लग जाता है और हमारी त्वचा के संपर्क में आ जाता है।

हर रोज चेहरा धोएं

सोने से पहले अपने बालों से सभी मेकअप और स्टाइलिंग उत्पादों को हटाना सुनिश्चित करें ताकि यह आपके तकिये और बिस्तर पर न लगें। दिन भर से बहुत थक गये? बस एक गैर-कॉमेडोजेनिक फेशियल वाइप से मेकअप, जमी हुई मैल और तेल को पोंछ लें, विशेष रूप से इस तरह से तैयार किया गया है कि रोमछिद्र अवरुद्ध न हों, क्या आपको अपनी त्वचा संबंधी समस्याओं के लिए और अधिक उत्तर चाहिए? आज ही किसी त्वचा विशेषज्ञ से संपर्क करें। अपने तकिये और चादरों को धोकर अपने मुंहासों को सुधारें। यह आपकी त्वचा के संपर्क में आने वाली सतह पर रोमछिद्रों को बंद करने वाले तेल और गंदगी को कम करता है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -094

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

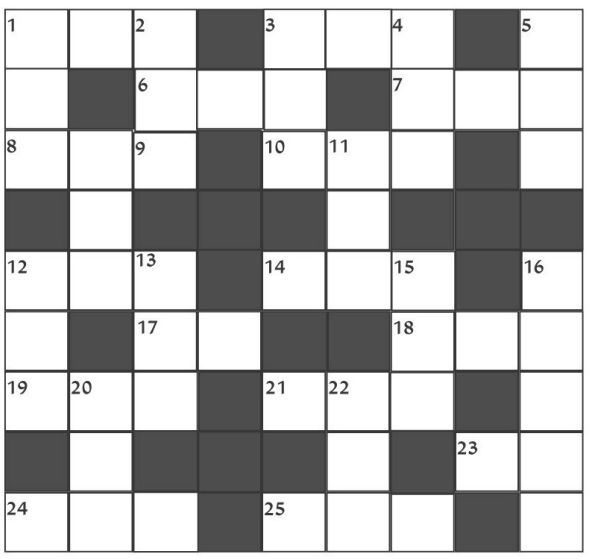

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 93 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

टाइगर 3 ने दुनियाभर में पार किया 240 करोड़ रुपये का आंकड़ा

सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म टाइगर 3 ने रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है।फिल्म को दिवाली (12 नवंबर) के खास मौके पर हिंदी के अलावा तमिल और तेलुगु भाषा में भी सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था।मनीष शर्मा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सलमान के अलावा कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी भी मुख्य भूमिका में हैं।अब सलमान ने टाइगर 3 की सफलता पर प्रतिक्रिया दी और सारा श्रेय दर्शकों को दिया। सलमान ने बताया, मैं टाइगर 3 को मिल रहे बेशुमार प्यार के लिए दर्शकों का शुक्रिया अदा करूंगा और उन्हें ही सारा श्रेय दूंगा। दर्शकों ने फिल्म को शानदार शुरुआत दी और मुझे खुशी है कि टाइगर फ्रेंचाइजी का तीसरा भाग भी सफल रहा। यह फिल्म मेरे दिल के करीब है।उन्होंने कहा, फिल्म को इस तरह का प्यार मिलता देखना वाकई खास है। उम्मीद है कि फिल्म दुनिया भर के दर्शकों का मनोरंजन करती रहेगी। सलमान की टाइगर 3 ने अब तक सिर्फ भारत में 146 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है तो वहीं फिल्म ने दुनियाभर में 240 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है।इस खबर की पुष्टि यशराज फिल्म्स की ओर से की गई है।उन्होने लिखा, उत्सवों से भरा सप्ताह।

अनस्टॉपेबल में धमाल मचाएंगे रणबीर, रश्मिका मंदाना भी होंगी शामिल

संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल अपनी घोषणा के बाद से ही सुर्खियों में है।इसमें रणबीर कपूर मुख्य भूमिका में नजर आएंगे और फिल्म में उनका ऐसा किरदार है, जो इससे पहले उन्होंने कभी नहीं निभाया।इसमें उनकी जोड़ी रश्मिका मंदाना के साथ बनी है।एनिमल के प्रचार के लिए रणबीर, संदीप और रश्मिका के साथ नंदमुरी बालकृष्ण उर्फ बलैया के चर्चित शो अनस्टॉपेबल विद एनबीके में नजर आएंगे, जो ओटीटी प्लेटफॉर्म अहा पर स्ट्रीम हो रहा है। बलैया और रणबीर की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है।अहा वीडियो के आधिकारिक एक्स हैंडल से एपिसोड की घोषणा की गई है। इसमें लिखा गया है, याद दिला दें कि दिवाली की आतिशबाजी कल खत्म नहीं हुई है, क्योंकि जब एनिमल शेर से मिलेगा तो मनोरंजन दोगुना होगा। जल्द ही आ रहा है।एनिमल 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में आएगी।फिल्म को हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज किया जाएगा। नंदमुरी बालकृष्ण तमिल सिनेमा के जाने-माने अभिनेता, राजनेता और निमाता हैं। उन्होंने 1974 में आई फिल्म तातम्मा कला के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। बालकृष्ण आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एन टी राम राव के बेटे हैं।

12वीं फेल की कमाई तीसरे सप्ताह में भी जारी

विधु विनोद चोपड़ा के निर्देशन में बनी फिल्म 12वीं फेल को सिनेमाघरों में रिलीज का यह तीसरा सप्ताह चल रहा है और यह फिल्म अपनी पकड़ बनाए हुए है। इसमें विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में हैं।भले ही सलमान खान की टाइगर 3 के सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद 12वीं फेल की कमाई में असर पड़ा हो, लेकिन फिल्म का जादू दर्शकों के बीच कम नहीं हुआ है। 12वीं फेल अनुराग पाठक के इसी नाम से आए लोकप्रिय उपन्यास पर आधारित है।इसमें मेधा शंकर, हरीश खन्ना, प्रियांशु चटर्जी, संजय बिश्नोई और सुकुमार टुडू भी अहम भूमिकाओं में हैं।इस फिल्म को लगभग 5 करोड़ रुपये की लागत में बनाया गया है। पेशेवर जिंदगी के अलावा विक्रांत मौजूदा वक्त में अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में हैं। दरअसल, अभिनेता जल्द पिता बनने वाले हैं।विक्रांत की पत्नी और अभिनेत्री शीतल ठाकुर प्रेग्नेंट हैं। उन्होंने कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों के साथ यह खुशखबरी साझा की थी।विक्रांत और शीतल की मुलाकात ब्रोकन बट ब्यूटीफुल के सेट पर हुई थी।दोनों ने 4 साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद 14 फरवरी, 2022 में शादी की थी।

मुझे घुड़सवारी सीखने और अपने डर पर काबू पाने में मजा आया: कनिका मान

शो चांद जलने लगा में नजर आने वाली एक्ट्रेस कनिका मान ने साझा किया कि उन्होंने कभी घुड़सवारी का प्रयास नहीं किया था। यहां तक कि खतरों के खिलाड़ी 12 में दौरान भी नहीं, लेकिन उन्होंने हिम्मत दिखायी और सीखा। घोड़ों के प्रति अपने डर पर काबू पाने के बारे में बात करते हुए कनिका ने कहा, हर एक नए प्रोजेक्ट सीखने और नई चीजों को आजमाने के अवसरों के साथ-साथ चुनौतियां भी लेकर आती है। मुझे खुशी है कि चांद जलने लगा के लिए घुड़सवारी सीखकर मुझे सशक्त और चिकित्सीय अनुभव मिला। मैं लंबे समय तक घुड़सवारी के डर से नहीं लड़ सकी। खतरों के खिलाड़ी 12 में मेरे कार्यकाल के बाद भी, यह डर दूर नहीं हुआ। मैं आभारी हूं कि मैंने इस खेल में हिस्सा लिया और इस प्यारे जानवर की सवारी का आनंद लिया। मैंने घुड़सवारी का क्रैश कोर्स किया। मुझे समय रहते यह स्किल सीखना पड़ा क्योंकि हमारा शूट शेड्यूल बहुत बिजी था और अब भी है। एक बार जब मैंने घोड़े से दोस्ती कर ली, तो कुछ नया करने और एक नया दोस्त बनाने को लेकर बच्चों जैसा उत्साह था। चांद जलने लगा कलर्स पर प्रसारित होता है।

मैं बॉलीवुड में काम करना चाहती हूं : रश्मि देसाई

रश्मि देसाई टीवी इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेसस में से एक है, एक्ट्रेस काफी समय से किसी प्रोजेक्ट में नजर नहीं आई हैं। जिससे फैंस उनकी प्रसेंस का लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। अभी एक्ट्रेस ने खुलासा किया है कि वह बॉलीवुड में जाने का रास्ता खोजने की कोशिश कर रही हैं, साथ ही उन्होंने कहा कि वह अपनी प्रोजेक्ट को लेकर बहुत सलेक्टिव हैं। रश्मि देसाई ने आगे कहा, मैंने कुछ प्रोजेक्ट्स के लिए शूटिंग की है, जो इस साल रिलीज़ होंगी। यह सच है कि मैं बहुत कुछ नहीं कर रही हूं और प्रोजेक्ट्स के मामले में सलेक्टिव हूं,

इसके पीछे की सोच के बारे में बताते हुए, 37 साल की एक्ट्रेस ने कहा, एक एक्ट्रेस के रूप में, मैं और अधिक जानना चाहती हूं और मुझे लगता है कि यह दर्शकों के साथ मेरे रिश्ते के प्रति मेरी प्रतिबद्धता है, और इसके लिए मुझे धैर्य रखने की आवश्यकता है। चीजें रातों-रात मेरी दिशा में नहीं चलेंगी। सब कुछ अपनी गति से होता है और यही इसकी खूबसूरती है। जब से मैंने अपना एक्टिंग करियर शुरू किया है, केवल एक चीज जो मैंने सीखी है वह यह है कि कुछ अच्छा चाहिए तो उसमें वक्त लगता है।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, मेरे पास कई प्रोजेक्ट्स आते हैं, लेकिन मैं उन सभी को नहीं गा सकती, मैं यह ध्यान में रखना चाहती हूं कि दर्शकों को क्या पसंद आएगा, ।रश्मि देसाई के काम की अगर बात करें तो उन्होंने टीवी शो उतरन से पॉपुलैरिटी हासिल की थी।रश्मि देसाई अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए आलिया भट्ट और रणवीर सिंह की स्टारडम की जर्नी का उदाहरण लेती हैं और कहती हैं, उन्हें रातोरात कुछ नहीं मिला। उन्हें इसके लिए काम करना था और धैर्य रखना था। यही एक अभिनेता का जीवन है।मैं बॉलीवुड करना चाहती हूं। मैं सालों से इसके बारे में सपना देख रही हूं और सोच रही हूं। मैं स्वीकार करता हूं कि मैंने पहले खुद को और अपनी क्षमता को किसी तरह से सीमित कर लिया था, जिसे मैं तोडऩा और तलाशना चाहता हूं, रश्मि देसाई ने आगे कहा,जब मैं एक किरदार निभाती हूं तो मुझे डर लगता है, जब मैं टीवी करती था तो तीन-चार साल का गैप लेती था। मैंने कभी नहीं सोचा या इस बात से डर गया कि मेरे दिखाई न देने से क्या होगा।

ऋतिक और दीपिका स्टारर फाइटर की शूटिंग हुई पूरी

भारत के पहले हवाई एक्शन फिल्म फाइटर के निर्माताओं ने इंडिपेंडेंस डे के दिन एक थ्रिलिंग फर्स्ट मोशन पोस्टर के बाद स्पिरिट ऑफ फाइटर लॉन्च किया था। इस सब सामने आते ही फैन्स की एक्साइटमेंट हाई हो गई। अब फिल्म से जुड़ी एक एक्टाइटिंग अपडेट में पता चला है कि ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण स्टारर इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है।

इस फिल्म के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद हैं। हाल में उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर अभिनीत फिल्म फाइटर का सबसे प्रतीक्षित अपडेट दिया और बताया कि फिल्म आखिरकार पूरी हो गई है। सेट से एक तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा- और फाइटर की शूटिंग हुई पूरी। सिद्धार्थ आनंद के इस अपडेट को शेयर करने के बाद ऋतिक रोशन ने भी अपने सोशल मीडिया पर ये अपडेट अपने फैन्स को दी।

बता दें, ये साल की बहुप्रतीक्षित एक्शन एंटरटेनर में से एक है और अब जब फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। दर्शकों को फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म में सुपरस्टार ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर पहली बार स्क्रीन स्पेस साझा कर रहे हैं।

सिद्धार्थ आनंद वॉर और पठान की शानदार सफलता के बाद इस फिल्म के साथ एक्शन का स्तर बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह फिल्म वास्तव में टैलेंट, टेक्नोलॉजी और स्टोरीटेलिंग के बेहतरीन मेल का प्रतीक है।

मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के सहयोग से वायाकॉम18 स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत, फाइटर सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित हैं। इसमें ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर लीड रोल्स में हैं। यह फिल्म 25 जनवरी 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

जवान को पीछे छोड़ने में कामयाब हुई रणबीर कपूर की एनिमल

रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'एनिमल' 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म को लेकर फैंस का अलग ही क्रेज देखने को मिल रहा है। केवल भारत ही नहीं फिल्म का दबदबा विदेशों में भी नजर आ रहा है। अमेरिका में ये फिल्म पूरे 888 स्क्रीन पर रिलीज होने वाली है। जबकि रणबीर की पिछली फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' को 810 स्क्रीन पर दिखाया गया था। इस फिल्म ने शाहरुख खान की सुपरहिट फिल्म 'जवान' का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। फिल्म को यूएस में 850 स्क्रीन मिली थीं और 'एनिमल' को उससे भी अधिक स्क्रीन दी जा रही है।

ये फिल्म पांच भाषाओं में रिलीज होने जा रही है। जिसमें हिंदी समेत तेलुगु तमिल, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज होगी। केवल भारत में ही नहीं विदेश में भी फिल्म का बेसब्री से इंतजार हो रहा है। बीते दिनों न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर बिलबोर्ड पर इसका टीजर दिखाया गया था। ये फिल्म भारत की पहली फिल्म है जिसे विदेश में इतनी स्क्रीन पर रिलीज किया जाएगा।

अपने किरदार से रणबीर कपूर ने सबको हैरान कर दिया है। वह पहली बार डार्क कैरेक्टर में नजर आने वाले हैं। फिल्म का प्री-टीजर और टीजर जारी हो चुका है और फैंस ट्रेलर का इंतजार कर रहे हैं। इसमें रणबीर के साथ रश्मिका की लव स्टोरी नजर आने वाली हैं। इसमें अनिल कपूर को रणबीर के पिता के किरदार में दिखाया है।

रणबीर कपूर की 'एनिमल', विक्की कौशल की फिल्म 'सैम बहादुर' से टकराने वाली है। रणबीर कपूर की इस फिल्म की लेंथ को लेकर अलग-अलग तरह की खबरें आ रही हैं। फिल्म 3 घंटे की बताई जा रही है। वहीं आईएमडीबी ने फिल्म की लंबाई 2 घंटे 6 मिनट बताई है। हालांकि, अभी तक मेकर्स की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

फिल्म की पहली झलक 11 जून को दिखाई गई थी और इसे अगस्त में रिलीज किया जाना था। अगर ये फिल्म उस वक्त रिलीज होती तो इसकी टक्कर सनी देओल की 'गदर 2' से होती। लेकिन इसकी रिलीज डेट टाली गई और अब ये फिल्म 1 दिसंबर को रिलीज की जा रही है।

अदालत के आदेश का अनादर चिंताजनक

अजीत द्विवेदी

दिवाली के अगले दिन छपे हुए अखबार तो नहीं आए थे लेकिन अखबारों और न्यूज चैनलों की वेबसाइट पर जो सुर्खियां दिखीं वो बेहद चिंताजनक थीं। एक न्यूज चैनल की हेडलाइन थी 'धुएं में उड़ा सुप्रीम कोर्ट का आदेश' तो एक दूसरी वेबसाइट ने लिखा 'दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट के आदेश की धज्जियां उड़ीं'। दिवाली की रात दिल्ली के लोगों के एक समूह ने पटाखों पर पाबंदी के सुप्रीम कोर्ट के आदेश की धज्जियां उड़ाईं तो दूसरा समूह सर्वोच्च अदालत के आदेश के बेशर्म अनादर का बेबस साक्षी बना और सुबह होते होते पूरे देश को इसका पता चल गया। सो, पहला सवाल तो दिमाग में यह आता है कि इससे सुप्रीम कोर्ट की क्या इज्जत बची? लेकिन क्या सचमुच यह मामला सिर्फ सुप्रीम कोर्ट या उसके मौजूदा चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ या पटाखों पर पाबंदी के आदेश देने वाली पीठ के जजों की इज्जत का है या देश, लोकतंत्र, संवैधानिक संस्थाओं और करोड़ों अन्य लोगों के सम्मान व उनके जीवन के अनादर का मामला है? क्या यह देश और राज्य की सरकारों के लिए शर्म की बात नहीं होनी चाहिए कि वे सर्वोच्च अदालत के आदेश का अनुपालन नहीं करा पाए? इन सवालों के जवाब बहुत सरल नहीं हैं।

पटाखों पर पाबंदी के आदेश का उल्लंघन कई पहलुओं से भविष्य के लिए खतरनाक और चिंताजनक है। इसमें एक पहलू धर्म का है। दूसरा पहलू न्यायपालिका के सम्मान का है, जिसकी रक्षा करना सरकार और नागरिक दोनों की जिम्मेदारी है और तीसरा पहलू करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य का है। पटाखों पर पाबंदी के मामले में धर्म का पहलू पहले दिन से जुड़ा है। एक बड़ा समुदाय ऐसा है, जो इसे हिंदू धर्म की मान्यताओं में अदालत के हस्तक्षेप के तौर पर देखता है। हालांकि ऐसा मानने का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। यह ऐतिहासिक तथ्य है कि बारूद मुगलों के साथ भारत आया और उससे पहले दिवाली पर पटाखे चलाने की परम्परा नहीं थी। पटाखे चलाना दिवाली की पूजा पद्धति या परम्परा का हिस्सा नहीं है। अदालत ने अपने फैसले में कहा भी कि इस पर पाबंदी किसी के धार्मिक अधिकार का उल्लंघन नहीं है। अदालत की यह टिप्पणी उसके आदेश के उल्लंघन का एक बड़ा कारण बनी।

असल में पिछले कुछ बरसों में हिंदुवादी संगठनों और देश की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा की ओर से हिंदुओं के जाग जाने या हिंदुओं के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का जैसा हल्ला बनाया गया है उसकी परीक्षा ऐसे मौकों पर की जाती है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद से ही इसकी शुरुआत हो गई थी। सोशल मीडिया में लोगों से यह अपील की गई कि वे अपनी ताकत दिखाएं और सुप्रीम कोर्ट को उसकी जगह। लोगों से खुल कर पटाखे चलाने की अपील की गई। और दिवाली के अगले दिन सोशल मीडिया में सुप्रीम कोर्ट ट्विटर पर ट्रेंड करता रहा। लोगों ने पटाखे चलाने की वीडियो डाल कर सुप्रीम कोर्ट के लिए अभद्र टिप्पणियां की। समझदार लोगों ने भी यह सवाल उठाया कि सुप्रीम कोर्ट क्यों बार बार इस तरह के आदेश देता है, जिस पर अमल सम्भव नहीं है। सोचें, किसी दूसरे सभ्य देश में क्या ऐसा हो सकता है? सर्वोच्च अदालत कोई आदेश दे और उसका खुलेआम उल्लंघन हो और सरकारें व कानूनी एजेंसियां उसे चुपचाप देखती रहें?

याद करें कैसे केरल में सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन हुआ था और तब देश के गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि अदालतों को ऐसे आदेश नहीं देने चाहिए, जिनका पालन नहीं किया जा सके। जिनके ऊपर अदालत के आदेश के अनुपालन की जिम्मेदारी है वो अगर ऐसी टिप्पणी करते हैं तो दिल्ली में पटाखों पर पाबंदी के आदेश के उल्लंघन को आसानी से समझा जा सकता है। इसका स्पष्ट संकेत यह है कि अदालतें बहुसंख्यक समुदाय के धर्म, मंदिर, त्योहार आदि के बारे में कोई ऐसा फैसला करती हैं, तो एजेंसियां उसे लागू कराने के लिए बाध्य नहीं होंगी और यह उस समुदाय के लोगों की मर्जी पर होगा कि वे इसका पालन करते हैं या नहीं करते हैं। दिल्ली इसकी मिसाल बनी है। दिवाली की रात जब पूरी दिल्ली में अदालत के आदेश का प्रतिरोध करने के लिए पटाखे फोड़े जा रहे थे तब अनेक सजग नागरिकों ने पुलिस को फोन किया लेकिन किसी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसकी कोई खबर नहीं है कि पुलिस ने कहीं पर लोगों को पटाखे चलाने से रोका या अदालत के आदेश का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की। यही इस मामले का दूसरा पहलू है। कोई कार्रवाई नहीं करके केंद्र और उसकी एजेंसियों की ओर से अदालत को यह संदेश दिया गया है कि वह ऐसे फैसले नहीं करे, जिस पर अमल नहीं कराया जा सके। यह देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए बेहद चिंताजनक बात है। भारत का संविधान विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों के पृथक्करण पर आधारित है। यह अलग बात है कि भारत में दो संस्थाएं- विधायिका और कार्यपालिका अलग अलग काम नहीं करती हैं। विधायिका का काम कार्यपालिका के फैसलों पर मुहर लगाने भर का रह गया है। लेकिन न्यायपालिका अब भी स्वतंत्र है और एक स्वायत्त संस्था के तौर पर काम करती है। परंतु मुश्किल यह है कि उसे अपने फैसलों के अनुपालन के लिए कार्यपालिका पर निर्भर रहना है। संवैधानिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक परम्परा के तहत यह कार्यपालिका की जिम्मेदारी बनती है कि वह न्यायपालिका के आदेशों पर अमल कराए। असहमत होते हुए भी उसे आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करना होता है। दुर्भाग्य से भारत में यह परम्परा टूटती दिख रही है। अभी यह काम धार्मिक मामलों में हो रहा है क्योंकि धर्म की अफीम चाट कर गाफिल पड़ी जनता को लग रहा है कि अदालत के आदेशों का उल्लंघन करके वह धार्मिक श्रेष्ठता साबित कर रही है। आने वाले दिनों में हो सकता है कि राजनीतिक मामलों में भी ऐसा होने लगे।

तीसरा पहलू स्वास्थ्य का है। यह ध्यान रखने की बात है कि पटाखों पर पाबंदी का सिर्फ और सिर्फ एक आधार यह कि इनसे प्रदूषण फैलता है। वायु गुणवत्ता खराब होती है, जिससे करोड़ों लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित होता है। यह बात वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित है। दिवाली की रात और अगले दिन की सुबह के आंकड़ों से भी यह बात प्रमाणित हुआ। एक रिपोर्ट के मुताबिक दिवाली की रात 12 बजे के करीब दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू मॉनिटरिंग स्टेशन पर पीएम 2.5 और पीएम 10 दोनों का स्तर एक हजार के करीब था यानी सामान्य से करीब 15 गुना ज्यादा। दिवाली की अगली सुबह दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई चार सौ के करीब था, जो गंभीर श्रेणी में है। ध्यान रहे दिवाली से दो दिन पहले हुई बारिश ने दिल्ली की हवा साफ कर दी थी और एक्यूआई में सुधार हुआ था। हालांकि तब भी वह खतरनाक श्रेणी में थी। फिर भी दिल्ली के लोगों ने राजनीतिक और धार्मिक कारणों से अदालत के आदेश की धज्जियां उड़ाईं। उन्हें इस बात की कोई परवाह नहीं थी कि इससे करोड़ों लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ेगा।

सर्दियों में दिल्ली के पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने, गाडिय़ों के धुएं और पटाखों की वजह से हवा जहरीली हो जाती है। दिल्ली गैस चैम्बर में तब्दील हो जाती है। तभी सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली सरकार ने पटाखों पर पाबंदी लगाई। अदालत ने बेरियम युक्त पटाखों पर पूरे देश में पाबंदी लगाई है। इसके बावजूद दिल्ली में लोगों ने धुआं धुआं कर दिया और बड़े गर्व से सोशल मीडिया में इसका प्रचार किया। हकीकत यह है कि वायु प्रदूषण आने वाली पीढि?ों को बीमार और विकलांग बना रहा है। भारत में वायु प्रदूषण के कारण 2019 में एक लाख 60 हजार नवजात बच्चे जन्म के 27 दिन के अंदर मर गए थे। वायु प्रदूषण के कारण हर पांच मिनट में भारत में एक नवजात बच्चे की मौत हो रही है। नौजवान अस्थमा के मरीज बन रहे हैं और बुजुर्गों का जीवन बेहाल हो रहा है। अगर इसे नहीं रोका गया तो विकसित देश बनने से पहले भारत एक बीमार देश बनेगा।

सू- दोकू क्र.094

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.93 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

ऋषि सुनक का संकट

ब्रेवरमैन की बर्खास्तगी के बाद धुर-दक्षिणपंथी खेमे की बैठक हुई। उसके बाद बोरिस जॉनसन के खास समर्थक एक नेता ने ट्विटर पर कहा- 'अब अति हो गई है। अब वक्त ऋषि सुनक की विदाई का है, ताकि उसका स्थान कोई वास्तविक कंजरवेटिव नेता ले सके।'

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और सत्ताधारी कंजरवेटिव पार्टी के धुर दक्षिणपंथी खेमे के बीच सियासी जंग अब खुल कर सामने आ गई है। भारतीय मूल की नेता सुएला ब्रेवरमैन को गृह मंत्री पद से बर्खास्त कर सुनक ने फिलहाल एक जवाबी वार किया है। उसके बाद अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश में अपेक्षाकृत उदार माने जाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री डेविड कैमरन को वे अपनी सरकार में ले आए हैं। लेकिन यह कंजरवेटिव पार्टी के भीतर जारी रस्साकशी में उनका सिर्फ एक दांव है।

ब्रेवरमैन ने लगातार कट्टरपंथी रुख अपनाते हुए पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के खेमे को अपने इर्द-गिर्द लामबंद किया है। फिलस्तीन समर्थकों के प्रति कथित नरमी दिखाने के लिए ब्रिटिश पुलिस की आलोचना उनकी इसी सियासत का हिस्सा था। इसके लिए उन्होंने कैबिनेट की मर्यादा का उल्लंघन किया। हालांकि एक अखबार में लेख लिख कर उन्होंने पुलिस की आलोचना की, लेकिन समझा गया कि उनका असल निशाना प्रधानमंत्री हैं। अब इसका जवाब सुनक ने दिया है।

यह गौरतलब है कि ब्रेवरमैन की बर्खास्तगी के तुरंत बाद धुर-दक्षिणपंथी खेमे की बैठक हुई। बैठक के तुरंत बाद बोरिस जॉनसन के खास समर्थक एक नेता ने ट्विटर पर कहा- 'अब अति हो गई है। अब वक्त ऋषि सुनक की विदाई का है, ताकि उसका स्थान कोई वास्तविक कंजरवेटिव नेता ले सके।'

बताया जाता है कि पूर्व प्रधानमंत्री जॉनसन ने उनसे कथित विश्वासघात करने के लिए सुनक को अब तक माफ नहीं किया है। उनका गुट बदला लेने के लिए सही समय की ताक में है। ब्रेवरमैन उस एजेंडे को आगे बढ़ा रही हैं। संभावना जताई गई है कि जल्द ही वे एक और लेख लिख कर अपना (यानी धुर-दक्षिणपंथी गुट का) आगे का एजेंडा देश को बताएंगी।

मतलब यह कि कंजरवेटिव पार्टी का संकट और गहराने के संकेत हैं। वैसे असल में इस संकट की जड़ें देश की बिगड़ती अर्थव्यवस्था में हैं, जिससे देश के आम लोगों की माली हालत अकल्पनीय रूप से बदतर हो गई है। जॉनसन, लिज ट्रस और ऋषि सुनक- सबकी सरकारें इस मोर्चे पर नाकाम रही हैं। इन हालात में कंजरवेटिव पार्टी का संकट बढऩा अस्वाभाविक नहीं है। (आरएनएस)

तेलंगाना चुनाव में पीके की रणनीति!

चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर बिहार में पदयात्रा कर रहे हैं। वे जन सुराज अभियान चला रहे हैं। वे यह भी दावा करते हैं कि अब वे चुनाव प्रबंधन का काम नहीं करते हैं। हालांकि उनकी बनाई कंपनी आई-पैक यानी इंडियन पॉलिटकल एक्शन कमेटी कई राज्यों में अलग अलग पार्टियों के चुनाव प्रबंधन का काम देख रही है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, तमिलनाडु में डीएमके, महाराष्ट्र में शिव सेना के उद्धव ठाकर गुट के साथ साथ तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति के साथ उनकी कंपनी का करार है। सो, भले प्रशांत किशोर चुनाव रणनीति बनाने के काम से इनकार करें लेकिन चूंकि उनकी कंपनी तेलंगाना में काम कर रही है इसलिए कांग्रेस पार्टी के नेता उनको निशाना बना रहे हैं।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया है कि सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति के नेताओं पर जो हमले हो रहे हैं वह प्रशांत किशोर की रणनीति का हिस्सा है। रेड्डी ने यह भी कह कि पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में भी पीके ने यह रणनीति आजमाई थी। गौरतलब है कि पिछले दिनों बीआरएस के उम्मीदवार कोटय प्रभाकर रेड्डी पर चाकू से हमला हुआ था। उसके बाद एक अन्य उम्मीदवार गुवाला बालाराजू पर भी हमला हुआ। रेवंत रेड्डी का कहना है कि अगर यह राजनीतिक हमला नहीं था तो आरोपियों पर कार्रवाई की जानकारी सार्वजनिक क्यों नहीं की जा रही है? कांग्रेस का आरोप है कि बीआरएस चुनाव हार रही है इसलिए सहानुभूति हासिल करने के लिए उम्मीदवारों पर इस तरह के हमले कराए जा रहे हैं।

टनल में फंसे लोगों की सुरक्षा के लिए कांग्रेसियों ने किया रुद्राभिषेक यज्ञ

हमारे संवाददाता

देहरादून। सिलक्यारा टनल में फंसे मजदूरों को सकुशल निकाले जाने को लेकर आज कांग्रेसियों द्वारा सिद्देश्वर महादेव मंदिर में रुद्राभिषेक यज्ञ एवं पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर कांग्रेस नेता त्रिलोक सिंह सजवाण ने कहा कि सिलक्यारा की घटना को सबक के रूप में लिया जाना चाहिए और विशेष कर सुरंगो के निर्माण में सुरक्षा मानकों को लेकर किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। पूर्व पार्षद ललित भद्री ने कहा कि सरकार को बड़ी परियोजना में आपदा प्रबन्धन को मजबूत आधार बनाकर निर्माण कार्य के साथ-साथ दुर्घटना नियंत्रण पर विशेष ध्यान देना चाहिए जिससे जन हानि न हो और निर्माण कार्य भी प्रभावित न हो। इस मौके पर पूर्व पार्षद ललित भद्री, त्रिलोक सिंह सजवाण, महेश जोशी, नवीन रमोला, आयुष सेमवाल, प्रमोद रावत, देवेन्द्र सती, आदर्श सूद, बिरेंद्र पंवार दिलीप ब्र्त्वाल सहित कई लोग मौजूद रहे।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने 14 बीघा पुल के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 52 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम मयंक जाटव पुत्र डोजी राम निवासी वनखण्डी बताया।

30 नवम्बर तक सड़कें नहीं हुई गड्ढा मुक्त.. ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

आवागमन के लिए अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। सड़कों पर डिवाईडर, रिफ्लेक्टर, साइनेज लाईटिंग की अच्छी व्यवस्थाएं रखने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और आपदा प्रबंधन पर 6वीं अन्तरराष्ट्रीय कांग्रेस दो बड़े आयोजन होने इसके दृष्टिगत भी सभी तैयारियां समय पर पूर्ण कर ली जाएं। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि जिन क्षेत्रों में पानी का बहाव अधिक होता है, ऐसे क्षेत्रों में व्हॉइट टापिंग तकनीक का प्रयोग किया जाए। सड़कों से संबंधित जो भी योजनाएं बनाई जा रही हैं, वे आगामी 50 साल की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बनाई जाए। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, सचिव डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, अपर सचिव विनीत कुमार, नगर आयुक्त देहरादून मनुज गोयल एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

अपनों को सुरक्षित देख परिजनों को... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

कार्यस्थल तक पहुंच जाएगी। केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकार को निर्देशित किया गया है कि वह इन मशीनों को पहुंचाने के लिए सपोर्ट मुहिया कराये तथा पुलिसिंग की व्यवस्था करें जिससे रास्ते में बिना किसी रूकावट के यह मशीन सिलक्यारा पहुंच सके और जल्द से जल्द ड्रिलिंग का काम शुरू हो सके।

उधर आज एक बार फिर सिलक्यारा की ओर से आगर मशीन के जरिए पाइप ड्रिलिंग का काम शुरू कर दिया गया है अब तक जो पाइप 900 एमएम के ड्रिल किये गये थे अब उनके अंदर से 800 एमएम के स्टील पाइप ड्रिल करने का काम किया जा रहा है अगर यह काम सफलतापूर्वक आगे बढ़ सका तो 2 दिन के अंदर यह पाइप सुरंग में फंसे लोगों तक पहुंच सकते हैं और इस अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न किया जा सकता है। आज सुबह बड़कोट की तरफ से खोदी जा रही सुरंग में विस्फोट के समय हुए लूज फाल के कारण काम को थोड़ी देर के लिए रोकना पड़ा था जिसके बाद फिर से शुरू कर दिया गया है। सुरंग में फंसे लोगों और रेस्क्यू में लगी टीमों का आज मनोबल थोड़ी सफलता के बाद जरूर बढ़ा है लेकिन अभी इस मिशन जिंदगी जिस पर देश और दुनिया भर की निगाहें लगी है पूरा होने में कितना समय लगेगा यह कह पाना संभव नहीं है।

चौराहों पर पुलिसकर्मियों के निशाने पर संदिग्ध वाहन नहीं पटाखा मारती बुलेट है

❑ 15 दिनों तक चोरी के वाहनों से खुलेआम घुमते रहे लूटेरे!

संवाददाता

देहरादून। चौराहों पर खडे पुलिसकर्मियों को संदिग्ध वाहनों से कोई मतलब नहीं है उनको तो मात्र पटाखें मारती बुलेट मोटरसाईकिल या फिर कोई लोडर चालक फंस गया बस यहीं तक इनकी नौकरी चल रही है।

पुलिस अधिकारी लाख दावे व आदेश जारी कर ले, लेकिन पुलिस का काम करने का जो अंदाज चल रहा है उसको बदलना बहुत ही मुश्किल है। आज कोई भी पुलिस कर्मी डयूटी को अपना फर्ज मानकर चलने की बजाय आठ घंटे की डयूटी बजाओ और घर चलो की नीति पर चल रहा है। आठ घंटे की डयूटी के बाद उसको कोई मतलब नहीं कि क्षेत्र में क्या हो रहा है और क्यों हो रहा है। या यह भी कह सकते हैं कि वह समझना भी नहीं चाहता कि कहां क्या हो रहा है उसने अपने हिस्से की डयूटी कर ली उसके बाद उसको किसी से कोई सरोकार नहीं रह जाता है। यह हालात तो थाने चौकियों में तैनात पुलिस कर्मियो के है। अब आ जाओं यातायात पुलिस या फिर चौराहों पर खडी चौकी थानों के सिपाहियों की तरफ तो उनका हाल भी यही है। उनको जाम के झाम से कोई मतलब नहीं है। वह या तो चालान काटने में तेजी दिखाते हैं या फिर कोई लोडर या कोई व्यवसायिक वाहन दिख जाये तो उसको साईड में खडा करवाना इनका पसंदीदा शगल है। यहीं नहीं अगर कोई बुलेट मोटरसाईकिल सवार यातायात पुलिस को कहीं दिख जाये तो इनके चेहरों पर मुस्कान दिखायी देने लगती है और वह उसको रोककर बुलेट से पटाखें चलाने शुरू कर देते हैं। इनकी यह हरकत उस बात की याद दिला देती है जब गली मौहल्लों में छोटे बच्चे दिवाली के पटाखें जलाकर खुश होते दिखते हैं वही हाल इनका देखने को मिलता है। इनको भी संदिग्ध वाहनों से कोई सरोकार नहीं है। संदिग्ध वाहन घूम रहा है तो इनको उससे कोई मतलब नहीं।

हाल ही में रिलांयस ज्वैलरी शोरूम में हुई डकैती की घटना के बाद इस बात का खुलासा हुआ था कि लूटेरे सेलाकुई में किराये का मकान लेकर रह रहे थे तथा सेलाकुई से राजपुर रोड पर स्थित शोरूम की रेकी करने आते थे। अब सोचने वाली बात तो यह है कि लूटेरे रोज यहां पर हरियाणा से चोरी की गयी मोटरसाईकिलों के साथ शहर में सभी चौराहों से गुजरते रहे लेकिन पुलिस की निगाहें उनपर नहीं पडी और वह बेखौफ शहर में घुमते रहे। यहीं नही घटना के बाद भी वह शहर में तीन घंटे तक घुमते रहे और उसके बाद सेलाकुई में चोरी की मोटरसाईकिलें व कार छोडकर फरार हो गये। इसके बावजूद पुलिस ने शहर में किसी प्रकार की धरातल में नाकेबंदी नहीं की। जबकि जुबानी जमाखर्च तो पुलिस अधिकारियों ने बहुत किये कि शहर को सील कर बदमाशों की धरपकड के प्रयास किया जा रहे हैं। अगर पुलिस इतने ही संजीदगी से चौराहों पर डयूटी करती तो शायद बदमाशों की तलाश में आज पुलिस को बाहरी प्रदेशों में धक्के न खाने पडते।

मस्जिद के बाहर से स्कूटी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मस्जिद के बाहर से स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कैनाल रोड निवासी अर्शिल खान ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किशनपुर मस्जिद में आया था तथा उसने अपनी एक्टिवा मस्जिद के बाहर खडी कर दी थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्मैक सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

नैनीताल। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने 6.60 ग्राम स्मैक सहित गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार बीती रात थाना बनभूलपुरा पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को चोरगलिया रेलवे फाटक से 50 मीटर आगे रेलवे पटरी पर गफूर बस्ती के पास एक संदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 6.60 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम इमरान उर्फ पिददी पुत्र सलीम निवासी गफूर बस्ती निकट रेलवे फाटक चोरगलिया रोड थाना बनभूलपुरा बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया है।

भैंस चोरी करने वाले 3 शातिर चोर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। रात में घरों की रेकी कर भैंस चुराने वाले तीन शातिरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त वाहन व हजारों की नगदी भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती 18 नवम्बर को चरण सिंह पुत्र जगराम सिंह निवासी ग्राम मुण्डाखेडा द्वारा कोतवाली लक्सर पर तहरीर देकर बताया गया था कि 11 नवम्बर की रात अज्ञात चोरों द्वारा मेरी एक भैस व एक कटडा तथा भाई अजब सिहं की एक भैस चोरी कर ली गयी है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीमों द्वारा जब क्षेत्र में लगे सीसी कैमरों को खंगाला गया तो उसमें एक संदिग्ध पिकअप वाहन रात में पशुओं को ले जाता दिखायी दिया।

जिस पर पुलिस ने उस वाहन की तलाश शुरू कर दी। जिसे पुलिस द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद तीन आरोपियों व हजारों की नगदी सहित हुसैनपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय व आंगनबाड़ी केंद्र के पास पकड लिया गया। आरोपियों ने पूछताछ में अपना नाम नासिर पुत्र मोहम्मद हुसैन निवासी रसूलपुर थाना अफजलगढ़ हाल निवास आबिद का मकान तेली वाला थाना गंगनहर रुड़की, वसीम पुत्र जाकिर निवासी रसुलपुर आवाद थाना अफजलगढ जिला बिजनौर व गुलफाम पुत्र मोहम्मद अली निवासी मुंडाला थाना कोतवाली शहर बिजनौर उत्तर प्रदेश बताया।

बताया कि 11 नवम्बर की रात हम तीनों ने मिलकर इसी पिकअप से लक्सर क्षेत्र में तीन भैंस चोरी की गयी थी। जिनको हमने सहारनपुर में किसी दलाल को 40 हजार रुपये में बेच दिया है। बहरहाल पुलिस ने उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

एक नजर

इजरायल ने लश्कर-ए-तैयबा को घोषित किया आतंकी संगठन

नई दिल्ली। हमास से जारी जंग के बीच इजरायल ने मुंबई आतंकी हमले (26/11) को अंजाम देने वाले आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा को आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। इजरायल ने यह कदम ऐसे समय उठाया है, जब मुंबई हमलों को करीब 5 दिन बाद 15 साल पूरे होने वाले हैं। इजरायल का यह कदम इसलिए भी अहम है, क्योंकि इजरायल भारत से हमास को आतंकी संगठन घोषित करने की मांग कर चुका है। बता दें कि

भारत ने हमास को आतंकी संगठन का दर्जा नहीं दिया है। लश्कर के खिलाफ यह एक्शन लेने के बाद इजरायल की सरकार ने एक स्टेटमेंट भी जारी किया। इसमें कहा गया है कि भारत सरकार ने इजरायल से ऐसा करने का अनुरोध नहीं किया। इसके बाद भी इजरायल ने अपनी तरफ से सभी प्रक्रियाएं पूरी कर लीं और लश्कर-ए-तैयबा को आतंकवादी संगठन की सूची में डाल दिया। इजरायल की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि नियमों के मुताबिक इजरायल उन आतंकी संगठनों को ही अपनी टेरर लिस्ट में शामिल करता है, जो इजरायल की सीमा के अंदर या उसके आसपास एक्टिव होकर इजरायल के खिलाफ काम कर रहे हैं। ऐसा ही भारत के मामले में भी है। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर यूएनएससी या अमेरिकी राज्य विभाग के द्वारा घोषित किए गए आतंकी संगठनों को भी इजरायल अपनी टेरर लिस्ट में शामिल करता है।

एमवे ने 4000 करोड़ रुपये से अधिक की अपराध आय अर्जित की: ईडी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मल्टी लेविल मार्केटिंग (एमएलएम) योजना चलाने वाली एमवे इंडिया पर अपराध की 4,000 करोड़ रुपये से अधिक कमाई करने और इसका एक बड़ा हिस्सा विदेशी बैंक खातों में भेजने का आरोप लगाया। केंद्रीय एजेंसी ने हैदराबाद में विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम अदालत के समक्ष एमवे इंडिया एंटरप्राइज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ आरोप पत्र

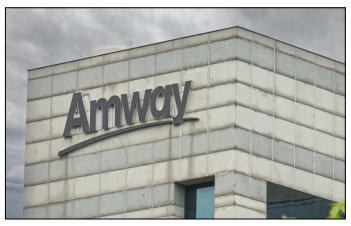

दाखिल करने के बाद यह बात कही। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बयान में कहा कि अदालत ने सोमवार को अभियोजन पक्ष की शिकायत पर संज्ञान लिया। तेलंगाना पुलिस ने एमवे और उसके निदेशकों के खिलाफ कई प्राथमिकी दर्ज की थीं। ईडी की ओर से दर्ज किया गया धनशोधन का आपराधिक मामला इन्हीं प्राथमिकियों पर आधारित है। एजेंसी ने आरोप लगाया कि एमवे ने न केवल एक बहु-स्तरीय विपणन योजना संचालित की, बल्कि पैसा इधर से उधर घुमाने की योजना भी चलाई और अपने ग्राहकों से बड़ी रकम एकत्र की। ईडी ने कहा, धोखाधड़ी के अपराध को अंजाम देकर एमवे ने अपराध से कुल 4,050।21 करोड़ रुपये की कमाई अर्जित की। आरोप पत्र में कहा गया है कि सदस्यों से एकत्र की गई 2,859 करोड़ रुपये से अधिक की रकम लाभांश, रॉयल्टी और अन्य खर्चों के भुगतान के नाम पर विदेशी निवेशकों के बैंक खातों में भेजी गई

सऊदी अरब के मदीना में खुला पहला सिनेमाघर

मदीना। एक प्रसिद्ध सिनेमा श्रृंखला एम्पायर सिनेमा ने हाल ही में सऊदी अरब के मदीना में अपना सिनेमा मल्टीप्लेक्स खोला है, जो शहर की पहली शाखा है। यह मदीना में अल-रशीद मॉल में स्थित हैऔर इसमें बच्चों का थिएटर और खेल क्षेत्र है, जिसमें 10 स्क्रीन और 764 सीटें हैं। यह सऊदी अरब में कंपनी का 10वां सिनेमा कॉम्प्लेक्स है। एम्पायर सिनेमा ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, श्श्अपने सभी प्रियजनों को इकट्ठा करें और मदीना के पहले सिनेमा एम्पायर सिनेमाज में जाएं।श्श एम्पायर सिनेमाज के सीईओ गीनो हद्दाद ने अरब न्यूज को बताया कि इसकी मदीना शाखा का उद्घाटन सऊदी अरब में इसकी उपस्थिति का विस्तार करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर था। क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने विजन 2030 सुधार एजेंडे के हिस्से के रूप में 2017 में सिनेमा प्रतिबंध हटाने की घोषणा की, जिसका लक्ष्य जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाना और अर्थव्यवस्था में विविधता लाना है। 2018 में, सऊदी अरब ने पूरे राज्य में व्यापक सुधारों के हिस्से के रूप में अपना सिनेमा प्रतिबंध हटा दिया। एएमसी एंटरटेनमेंट, एक अमेरिकी श्रृंखला, ने 35 वर्षों में संचालित होने वाले पहले सिनेमा के रूप में सऊदी अरब में अपने दरवाजे फिर से खोल दिए। पिछले कुछ वर्षों में, किंगडम ने मई में कान्स फिल्म फेस्टिवल में घोषित 100 मिलियन डॉलर के फिल्म सेक्टर फंड सहित पहल के माध्यम से सिनेमा और मनोरंजन में महत्वपूर्ण निवेश किया है।

लघु उद्यमी से 15 लाख की ठगी करने वाला पंजाब से गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। इंजेक्शन मॉडलिग मशीनों की खरीद के नाम पर लघु उद्यमी से 15 लाख की ठगी करने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने लुधियाना पंजाब से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी शातिर किस्म का ठग है जो अन्य कई लोगों को भी लाखों का चूना लगा चुका है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती 31 मई को कस्बा भगवानपुर निवासी शहजाद ने थाना भगवानपुर में तहरीर देकर बताया गया था कि उसे कस्बा भगवानपुर मे प्लास्टिक के खिलौने बनाने के काम को बढाने के लिये इन्जेक्शन मॉडलिग मशीनो की आवश्यकता थी। जिसके लिये उन्होंने गूगल मे सर्च कर ऑनलाईन इंडिया मार्ट बेबसाईट/ऐप के जरिये लुधियाना पंजाब स्थित प्रिनैक्स इन्जीनियरिग वर्क्स के स्वामी जसविन्द्र सिह कालसी के साथ मोबाइल नम्बरों के माध्यम से बातचीत की। बताया कि बातचीत के आधार पर सम्बन्धित फर्म से 2 मशीनों का सौदा 2224032 (बाईस लाख चौबीस हजार बत्तीस रुपए) मे तय किया गया था तथा मशीनों की कोटेशन के आधार पर शिकायतकर्ता द्वारा 15 लाख 50 हजार रूपए एडवाँस दिए गए थे। एडवांस पेमेंट मिलने के बाद सप्लायर ने अपनी फर्म का स्थान बदल दिया और भारी धनराशि की धोखाधडी कर उक्त मशीने भी उपलब्ध नही कराई गई। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने लघु उद्यमी शहजाद की शिकायत पर तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच में सामने आया कि आरोपी इण्डिया मार्ट बिजनेस एप के माध्यम से लोगो से धोखाधडी कर अपनी फर्म का ठिकाना बदल कर इधर उधर हो जाता है जिस कारण आरोपी काफी समय से पकड मे नही आ रहा था।

पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी द्वारा इसी प्रकार की ठगी गौतम बुद्व नगर उ.प्र. निवासी एक और लघु उद्यमी के साथ करने का प्रयास करने का प्रयास किया जा रहा है। जानकारी प्राप्त होने पर पुलिस द्वारा उक्त उद्यमी के माध्यम से नामजद आरोपी को ट्रैप करने के लिये एक जाल बिछाया गया तथा लुधियाना पंजाब मे इन्जेक्शन माडलिंग मशीन दिखाने के बहाने रायपुर थाना मोतीनगर लुधियाना पंजाब से आरोपी जसविन्दर सिंह कालसी को गिरफ्तार कर लिया गया। जिसके पास से घटना में प्रयुक्त मोबाइल व दो सिम कार्ड भी बरामद किये गये है। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार किया। जिस पर पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

मोटरसाईकिल की टक्कर से युवक की मौत

संवाददाता

देहरादून। मोटरसाईकिल की टक्कर से युवक की मौत होने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतक के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नया गांव पेलियो निवासी माधोराम ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका बेटा ऋषित गांव में सडक पार कर रहा था तभी गांव का ही हर्ष कश्यप अपनी मोटरसाईकिल को तेजी व लापरवाही से चलाते हुए वहां पर आया और उसके बेटे को टक्कर मार दी जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया।

आसपास के लोगों ने उसको अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बालश्रम कराने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। बालश्रम कराने पर सर्विस सेन्टर मालिक पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बचपन बचाओ आंदोलन के राज्य समन्वय सुरेश उनियाल ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उन्होंने लक्ष्मणझूला रोड पर स्थित देव ऑटों सर्विस सेन्टर पर छापा मारा तो वहां पर 13 साल के बच्चे से बालश्रम कराते हुए पकडा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ट्रक ने कुचले बाइक सवार, एक की मौत एक घायल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सड़क दुर्घटना में एक तेज रफ्तार ट्रक द्वारा बाइक सवार दो लोगों के कुचले जाने से जहां एक की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत को गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया जिसकी तलाश जारी है। हादसा हरिद्वार लक्सर रोड पर सुल्तानपुर में हुआ है। जानकारी के अनुसार सुल्तानपुर स्थित हनुमान चौक के समीप बाइक सवार दो लोग लक्सर की ओर जा रहे थे, जिन्हें तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया। हादसे के बाद घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लिया तथा घायल को उपचार के लिए चिकित्सालय भेज दिया गया। हादसे में रतीराम उम्र 58 वर्ष निवासी पंडित पुरी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि विजेंद्र पुत्र कलीराम निवासी सुल्तानपुर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद ट्रक चालक मौके पर वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस फरार आरोपित की तलाश में जुटी है।

शहर के बैरियर की चेकिंग पर निकले एसएसपी, हर्रावाला चौकी प्रभारी सस्पेंड

देहरादून (सं)। शहर के बैरियरों की चैकिंग पर निकले एसएसपी अजय सिंह ने हर्रावाला बैरियर पर कमी पाये जाने पर चौकी प्रभारी को सस्पेंड कर दिया गया। गत रात्रि एसएसपी अजय सिंह शहर में लगाये गये बैरियरों की चैकिंग पर निकले। सहारनपुर चौक बैरियर पर कमी पाए जाने पर रात में ही सीओ सिटी और एसएचओ को मौके पर तलब किया। जोगीवाला बैरियर पर कमी पाए जाने पर सीओ डालनवाला को हिदायत दी कि आगे से ऐसी लापरवाही ना दिखायी दे। इसके साथ ही एसएसपी हर्रावाला बैरियर पर लापरवाही मिलने पर 4 बजे प्रात: हर्रावाला चौकी इंचार्ज कमलेश गौड को सस्पेंड कर सीओ डोईवाला को मौके पर तलब कर जरूरी दिशा निर्देश दिये। एसएसपी अजय सिंह ने कहा कि पुलिस को दूनवासियो की सुरक्षा में रात दिन एक करना होगा।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।